

पढ़िए

लिखिए

नानी कहती चंदा मामा,
मम्मी कहती चंदा मामा।
दादी कहती चंदा मामा,
हम भी कहते चंदा मामा।
अरे अकेले चंदा मामा,
पर कैसे हैं सबके मामा?

अपनी मम्मी के जो मामा,
कहलाते हैं अपने नाना।
अपने हैं जो राजा मामा,
नहीं अजी मम्मी के मामा।
किन्तु अकेले चंदा मामा,
कैसे हैं जो सबके मामा?



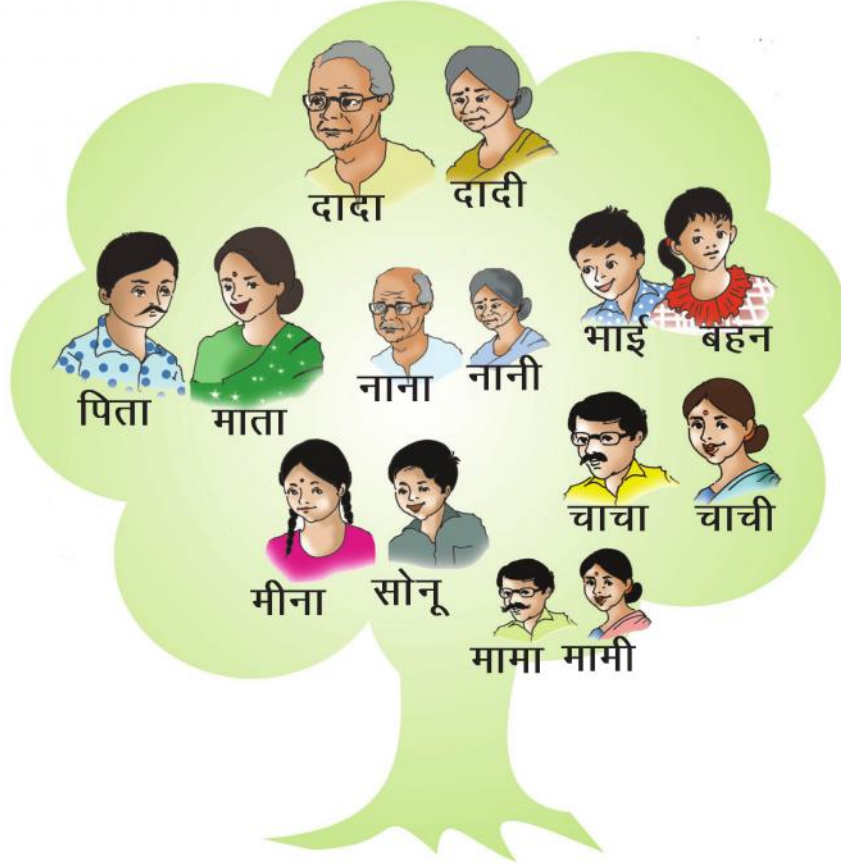
शिक्षण संकेत :

कविता याद करवाएँ। लय के साथ गायन करवाएँ। रिश्तों के बारे में बातचीत करें।

मीना का परिवार

पढ़िए

लिखिए



पिता के पिता
पिता के भाई
पिता की बहन
माता के पिता
माता के भाई
माता की बहन

.....
.....
.....
.....
.....
.....

शिक्षण संकेत :

शिक्षक परिवार के सदस्यों के बारे में चर्चा करें तथा परिवार के सदस्यों के नाम लिखवाएँ।

आया कूटे धान

भद्दक भद्दक
भद्दक भद्दक
आया कूटे धान!
बड़े बिहाने उठकर
बूबा जाते है
मरहान।
छप्पक – छप्पक
चलता नाँगर
बदन समूचा
कीचड़ से तर
सूरज जब
चढ़ आता सिर पर
जाकर करते स्नान।
लकदक – लकदक
पेज राँधती
आया झट से
मेड़ फाँदती
टुकने में
रख कर ले ताजी
तुंबा, दोना – पान।



शिक्षण संकेत :

शिक्षक कविता का सस्वर वाचन करें तथा बच्चों से कराएँ। जनजातीय संस्कृति पर चर्चा करें।